भारतीय विमानपत्तनों पर धावन पथों के विस्तार की योजना

1325. श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव : क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अनेक विमान कम्पनियों के विमान, जो भारतीय आकाश से गुजरते हुए पूर्व से पश्चिम की ओर जाते हैं, भारतीय विमानपत्तनों पर नहीं उतरना चाहते हैं;

(ख) क्या यह भी सच है कि भारत में अन्तर्राष्ट्रीय विमान-पत्तनों के धावन-पथ पर्याप्त नहीं हैं ;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार भारतीय विमानपत्तनों पर धावन-पथों का विस्तार करने के लिए कोई योजना बना रही है;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) .(क) विभिन्न देशों से विदेशी विमान द्विपक्षीय करारों के अधीन भारत में अवतरण करते हैं।

(ख) से (ङ) : राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण और भारत अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा प्रबन्धित सभी हवाई अड्डों पर जहां वाणिज्यिक विमान सेवाओं का प्रचालन होता है, वहां प्रचालित सभी प्रकार के विमानों के सुरक्षित अवतरण और उड़ान भरने के लिए धावन पथ हैं।

दिल्ली-औरंगाबाद उड़ान में जलपान की व्यवस्था

1326. श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव : क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली-औरंगाबाद उड़ान संख्या आई०ई० 491 में तीन घंटे की यात्रा के दौरान यात्रियों को केवल चाय दी जाती है;

(ख) क्या यह सच है कि इस उड़ान के "हॉपिंग-फ्लाइट" होने के कारण इस विमान के यात्रियों के लिए जलपान की व्यवस्था कर पाना संभव नहीं है;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार भविष्य में दिल्ली आने वाले यात्रियों के लिए औरंगाबाद में ही विमान के उड़ान भरने से पहले जलपान की व्यवस्था करने पर विचार कर रही है ;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) :(क) और(ख) : जी, नहीं। आई० सी० 491 (दिल्ली—औरंगाबाद) उड़ान पर दिल्ली और जयपुर के बीच चाय/कॉफी पेश की जाती है। जयपुर और उदयपुर के बीच और उदयपुर और औरंगाबाद के बीच जूस और शीतल अल्पाहार दिया जाता है। आई० सी० 492 (औरंगाबाद—दिल्ली) उड़ान पर उदयपुर—जयपुर सैक्टर पर अल्पाहार और चाय/कॉफी पेश की जाती है जबकि इस उड़ान पर औरंगाबाद और उदयपुर के बीच और जयपुर और दिल्ली के बीच मांगने पर चाय/काफी दी जाती है।

(ग) से (ङ) ये प्रश्न नहीं उठते।

प्रमुख (ट्रंक) मार्गों पर नयी विमान कम्पनियों की उड़ानें

1327. श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव :
श्री मैन्सो पद्मनाभम :

क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि नई आरंभ हुई सभी विमान-कम्पनियां केवल प्रमुख मार्गों पर ही अपनी उड़ानों का प्रचालन कर रही है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार इन कम्पनियों को दूर-दराज के क्षेत्रों में भी अपनी उड़ानों का प्रचालन करने के लिए बाध्य करेगी ;